ओ. एम. आर. उत्तर पत्रक पर आधारित **NM-01**

प्री-बोर्ड परीक्षा

समय : 3.00 घंटे कक्षा–10 पूर्णांक : 20+50 = 70

विषय-हिन्दी

नोट : (क) प्रश्न–पत्र दो खण्डों 'क' एवं 'ख' में विभाजित है।
(ख) खण्ड 'क' में बहुविकल्पीय तथा खण्ड 'ख' में वर्णनात्मक प्रश्न हैं।
(ग) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर OMR शीट पर तथा वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका पर दीजिए।

खण्ड–'क' [बहुविकल्पीय प्रश्न] 20

1. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए–
(अ) डॉ0 श्यामसुन्दर दास एक प्रख्यात नाटककार थे।
(ब) मुंशी प्रेमचन्द एक प्रसिद्ध उपन्यासकार थे।
(स) जयप्रकाश भारती आलोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं।
(द) 'गुनाहों के देवता' उपन्यास के लेखक कमलेश्वर हैं।

2. महादेवी वर्मा द्वारा रचित निबन्ध है–
(अ) रेती के फूल (ब) क्षणदा (स) हंस (द) उर्वशी

3. भारत दुर्दश रचना है–
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) रामकुमार वर्मा
(स) भूषण (द) रायकृष्ण दास

Gyansindhuclasses

4. 'झूठा सच ' किस विधा की रचना है–
(अ) नाटक (ब) उपन्यास (स) कहानी (द) निबन्ध

5. हिन्दी की प्रथम कहानी है–
(अ) कफन (ब) ममता (स) इन्दुमती (द) इनमें से कोई नहीं

6. जायसी का पद्मावत किस भाषा में लिखा गया है–
(अ) अवधी (ब) ब्रजभाषा (स) खड़ीबोली (द) फारसी

7. अष्टछाप के कवि नहीं है–
(अ) नन्ददास (ब) सूरदास (स) छीतस्वामी (द) भिखारीदास

8. सुमित्रानन्दन पंत की रचना है–
(अ) उर्वशी (ब) पल्लव (स) परिमल (द) कामायनी

9. रीतिकाल के अन्य नाम है–
(अ) स्वर्ण काल (ब) श्रृंगार काल
(स) उद्भव काल (द) सक्रान्ति काल

10. 'रानी केतकी की कहानी' के रचनाकार हैं–
(अ) इंशा अल्ला खाँ (ब) सदासुख लाल
(स) लल्लू लाल (द) इनमें से कोई नहीं

11. भारतीय संस्कृति का मूल तत्व क्या है?
(अ) अहिंसा (ब) ईमानदारी
(स) सत्यनिष्ठा (द) उपर्युक्त सभी

12. तुलसीदास का सर्वमान्य जन्म स्थान है–
(अ) राजापुर (ब) रूनकता (स) लहरतारा (द) लमही
13. यामा किसकी रचना है?
(अ) महादेवी वर्मा (ब) जयशंकर प्रसाद
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) सुमित्रानन्दन पंत
14. ब्रह्मचार्य का पालन किसने किया–
(अ) श्वेतकेतु (ब) आरुणि
(स) अरुण (द) इनमें से कोई नहीं
15. रसों की संख्या है–
(अ) सात (ब) आठ (स) नौ (द) कोई नहीं
16. 'अपमान' शब्द में कौन–सा उपसर्ग लगा है–
(अ) अप (ब) मान (स) अ (द) कोई नहीं
17. 'कमल' का पर्यायवाची है–
(अ) पंकज (ब) जलद (स) नीरद (द) अम्बुद
18. 'प्रत्युपकारः' में कौन–सी सन्धि होगी–
(अ) गुण सन्धि (ब) यण् सन्धि (स) वृद्धि सन्धि (द) दीर्घ सन्धि
19. 'फल' शब्द के चतुर्थी विभक्ति, एकवचन में रूप होगा–
(अ) फलेन (ब) फलाय (स) फलात् (द) फलस्य
20. 'पठ्' धातु लट् लकार, उत्तम पुरूष, एकवचन का रूप है–
Gyansindhuclasses
(अ) पठामः (ब) पठामि (स) पठसि (द) पठावः

खण्ड–'ख' [वर्णनात्मक प्रश्न]

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

"कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। वह केवल नीति और सदवृत्ति का ही नाश नहीं करता बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरूष की संगति यदि बुरी होगी तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जोउसे दिन–दिन अवनति के गड्डे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी।"

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) अच्छी संगति का लाभ बताइए।

अथवा

काशी के उत्तर में धर्मचक्र विहार मौर्य और गुप्त सम्राटों की कीर्ति का खण्डहर था। भग्नचूड़ा, तृण गुल्मों से ढके हुए प्राचीर ईंटों के ढेर में बिखरी हुई भारतीय शिल्प की विभूति, ग्रीष्म की चन्द्रिका में अपने को शीतल कर रही थी।

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) धर्मचक्र कहाँ स्थित था?

2. दिये गये पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 6

(क) चरन–कमल बंदौ हरि राई।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे कौ सब कुछ दरसाई।।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार–बार बंदौं तिहिं पाई।
(अ) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रस्तुत पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?

(ख) चढ़ चेतक पर तलवार उठा, रखता था भूतल पानी को।
राणा प्रताप सिर काट–काट करता था सफल जवानी को।।
सेना–नायक राणा के भी, रण देख देखकर चाह भरे,
मेवाड़ सिपाही लड़ते थे, दूने तिगुने उत्साह भरे।।
(अ) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) महाराणा प्रताप की युद्ध वीरता का वर्णन कीजिए।

3. **दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।** 5

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमल सलिल तरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता। अस्या घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहुराजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः नित्यम अत्र आयान्ति, अस्या घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

अथवा

Gyansindhuclasses

मानव–जीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः। अस्माकं पूर्वजाः मानवजीवनं संस्कर्तुं महान्तं प्रयत्नम् अकुर्वन्। ते अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान् आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृतिः।

4. **दिये गये संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।** 5

मरणं मङ्गलं यत्र विभूतिश्च विभूषणम्।
कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयते।।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न सोचति।
कामं हित्वार्थवान भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

5. (क) **दिये गये लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए।** 5
(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब) जयशंकर प्रसाद (स) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

(ख) **दिये गये कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए।** 5
(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास (स) रामनरेश त्रिपाठी

6. **अपनी पाठ्य पुस्तक में से कंठस्थ कोई एक श्लोक लिखिये जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो।** 2

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दो। 4

(क) ग्रामीणान् कः उपाहसत्क?

(ख) दुर्मुखः कः आसीत्?

(ग) पिता कस्मात् उच्चतरः अस्ति?

(घ) गृहे सतः मित्रम् किम अस्ति?

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 9

(क) स्वास्थ्य और शिक्षा

(ख) पर्यावरण प्रदूषण

(ग) पुस्तकालय

(घ) देशभक्ति की महत्ता

9. **अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए।** 3

(क) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ख) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।

अथवा 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण के चरित्र का निरूपण कीजिए।

(घ) 'मेवाड़ मुकुट' के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

Gyansindhuclasses

(च) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(छ) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा 'तुमुल' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ज) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।